सरस्वती नदी की खोज के प्रमाण मिले

Jan 30, 2017, 09.00 AM IST

एस.पी रावत, कुरुक्षेत्र

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष एवं सरस्वती शोध संस्थान के उपाध्यक्ष भारत भूषण भारती का कहना है कि कहा कि सरस्वती विरासत को आने वाली पीढिय़ों के लिए संरक्षित करना हमारा नैतिक दायित्व है। इस नदी को खोजना भारतीय सांस्कृतिक विरासत को खोजना है। भूषण कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के भूविज्ञान विभाग व हरियाणा सरस्वती हेरीटेज विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वाधान में सरस्वती नदी पर आयोजित 2 दिवसीय अंतर्राष्टीय संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि सरस्वती हेरीटेज विकास बोर्ड का गठन किया 1986 से 2015 के बीच सैंकड़ो लोगों द्वारा किए गए शोध व संघर्ष का परिणाम है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए ही सरस्वती शोध संस्थान की स्थापना की गई थी और उसे पूरा करने के लिए ही हरियाणा सरकार ने सरस्वती हेरीटेज विकास बोर्ड का गठन किया है।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य वक्ता नैनीताल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. केएस वल्दिया ने सरस्वती नदी के वैज्ञानिक साक्ष्यों को रखते हुए कहा कि दुनियाभर के वैज्ञानिक अब मान चुके हैं कि इस क्षेत्र में सरस्वती नदी बहती थी। 3500 वर्ष पूर्व यह क्षेत्र पानी के बिना कैसे आबाद रह सकता है। ऐसे प्रमाण मिले हैं जिससे मालूम होता है कि सरस्वती एक विशाल महानदी इस क्षेत्र में बहती थी। पुराणों व महाभारत में भी उस नदी की ही चर्चा है।

सरस्वती हेरीटेज बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज ने कहा कि सरस्वती नदी के विकास के लिए यह जरूरी है कि हम इसे प्रतीक के रूप में स्थापित करते हुए पर्यावरण व पर्यटन के साथ जोड़ सकें। दूसरा इस पर शोध को आगे बढ़ाया जाए इसके लिए भी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में दुनियाभर से विद्वानों को आमंत्रित किया गया है। इसी कड़ी में सरस्वती विकास बोर्ड 2018 में अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव आयोजित करेगा। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वद्यिालय में सरस्वती शोध संस्थान की स्थापना की जाएगी जिसके लिए मुख्यमंत्री से स्वीकृति मिल गई है।

कुरुक्षेत्र की उपायुक्त सुमेधा कटारिया ने कहा कि वर्तमान में जल संसाधनों का विकास करना बेहद ही जरूरी है। कुरुक्षेत्र भू-जल संसाधनों की दृष्टि से डार्क जोन में हैं। हमें एक भी नया ट्यूबल लगाने की स्थिति में नहीं हैं। भूजल का गलत तरीके से प्रयोग कर रहे हैं।

http://navbharattimes.indiatimes.com/state/punjab-and-haryana/kurukshetra/i-found-evidence-of-river-saraswati/articleshowprint/56857764.cms